



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 361]

नई दिल्ली, बुधवार, अक्टूबर 8, 2008/आश्विन 16, 1930

No. 361]

NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 8, 2008/ASVINA 16, 1930

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बजट विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर, 2008

सरकारी प्रतिभूतियों का निर्गम

फा. सं. 4(13)-डब्ल्यू एण्ड एम/2008.—भारत सरकार की अधिसूचना फा. सं. 4(7)-डब्ल्यू एंड एम/99 दिनांक 5 अप्रैल, 1999 और अधिसूचना फा. सं.-4(1) डब्ल्यू एंड एम/2000 दिनांक 6 मई, 2002 द्वारा यथासंशोधित भारत सरकार द्वारा जारी की गई अधिसूचना फा. सं. 4(2)-डब्ल्यू एंड एम/97, दिनांक 1 अप्रैल, 1997 का अधिक्रमण करके, भारत सरकार, एतद्वारा, अधिसूचित करती है कि इसके बाद सरकारी प्रतिभूतियों (जिन्हें इसके आगे प्रतिभूतियों के रूप में निर्दिष्ट किया गया है) का निर्गम आगामी नोटिस तक इस अधिसूचना (जिसे साधारण अधिसूचना कहा गया है) में दी गई निबंधन एवं शर्तों तथा प्रत्येक प्रतिभूति निर्गम के संबंध में अगली सूचना तक जारी की गई विशिष्ट अधिसूचना में पृथक् रूप से अधिसूचित शर्तों के अधीन किया जाएगा।

साधारण अधिसूचना का उद्देश्य सरकारी प्रतिभूति के निर्गमों पर लागू सामान्य निबंधन तथा शर्तों और विभिन्न किस्मों की सरकारी प्रतिभूतियों के निर्गम की विशेषताओं तथा प्रणालियों का उल्लेख करना रहा है। प्रत्येक प्रतिभूति निर्गम के संबंध में समय-समय पर जारी की गई विशिष्ट अधिसूचना साधारण अधिसूचना की संपूरक होगी और इसमें किसी विशेष प्रतिभूति निर्गम से संबंधित विशिष्ट लक्षणों को शामिल किया जाएगा।

## स्पष्टीकरण

इस पैराग्राफ के प्रयोजन हेतु विशिष्ट अधिसूचना से अभिप्राय भारत सरकार द्वारा जारी की गई उस अधिसूचना से है जिसमें किसी विशेष सरकारी प्रतिभूति के निर्गम की घोषणा की जाती है।

## 2. सरकारी प्रतिभूतियों पर लागू सामान्य निबंधन और शर्तें

सरकारी प्रतिभूतियों के सभी निर्गमों पर लागू सामान्य निबंधन और शर्तें निम्नलिखित होंगी :

## 2.1 निवेश के लिए पात्रता

फर्मों, कंपनियों, निगमित निकायों, संस्थाओं, राज्य सरकारों, भविष्य निधियों और न्यासों सहित कोई भी व्यक्ति सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश कर सकता है। अनिवासी भारतीय (अनिवासी भारतीय अर्थात् भारतीय नागरिक और भारतीय मूल के व्यक्ति), मुख्य रूप से अनिवासी भारतीयों के स्वामित्व में समुद्रपारीय निगमित निकाय और “सेबी” के पास पंजीकृत एवं भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अनुमोदित विदेशी संस्थागत निवेशक भी सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश करने के पात्र हैं। विदेशी केन्द्रीय बैंक (एफसीवी) भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विदेशी केन्द्रीय बैंकों द्वारा किए गए रूपए में निवेश संबंधी योजना में निर्धारित निबंधन और शर्तों के अधीन सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश हेतु पात्र हैं। तथापि, भारत से बाहर रहने वाले किसी व्यक्ति (चाहे वह भारत का नागरिक है अथवा नहीं), अथवा ऐसे किसी भी व्यक्ति द्वारा जो भारत का नागरिक नहीं हैं लेकिन भारत का निवासी है अथवा ऐसी किसी भी कंपनी जो भारत में लागू किसी कानून के अन्तर्गत निगमित/संस्थापित नहीं है अथवा ऐसी कंपनी की किसी भी शाखा द्वारा, इसके पश्चात् निर्धारित की गई शर्तों के अनुसार सरकारी प्रतिभूतियों पर लागू कानूनों के अन्य उपबंधों के अतिरिक्त विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम, 1973 तथा विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 1999 के उपबंधों के अधीन ही निवेश किया जाएगा।

## 2.2 न्यूनतम अभिदान

सरकारी प्रतिभूतियों को 10,000 रूपए (अंकित मूल्य) की न्यूनतम राशि और उसके बाद 10,000 रूपए के गुणजों में निर्गमित किया जाएगा।

## 2.3 आवेदन की प्रक्रिया

सरकारी प्रतिभूतियों के क्रय के लिए प्रस्ताव इच्छुक व्यक्तियों द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा समय-समय पर निर्दिष्ट आवेदन-पत्र (इलैक्ट्रॉनिक प्रपत्र समाहित) में प्रस्तुत किए जाएंगे। तथापि, विदेशी संस्थागत निवेशकों, अनिवासी भारतीयों को ऐसे नामित बैंकों के माध्यम से आवेदनपत्र प्रस्तुत करने चाहिए। विधिवत भरे गए आवेदनपत्र भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यालय या इस प्रयोजन हेतु अधिसूचित किसी अन्य संस्था द्वारा निर्दिष्ट तारीख/तारीखों को बैंकिंग कार्य समय की समाप्ति से पूर्व प्रस्तुत कर दिए जाने चाहिए। सरकारी प्रतिभूतियों के क्रय हेतु आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने वाले इच्छुक व्यक्ति आवेदन के निर्दिष्ट प्रपत्र में यथानिर्दिष्ट निबंधन एवं शर्तों द्वारा भी आबद्ध होंगे।

## 2.4 सरकारी प्रतिभूतियों के लिए भुगतान

आवेदकों/निवेशकों द्वारा सरकारी प्रतिभूतियों के लिए भुगतान विशिष्ट अधिसूचना में उल्लिखित ऐसी तारीखों पर नकद रूप में अथवा भारतीय रिजर्व बैंक, मुंबई के पक्ष में देय बैंक अथवा बैंकर के भुगतान आदेश या भारतीय रिजर्व बैंक में अपने चालू खाते के नामे डालने के प्राधिकार या सुरक्षित माहौल में इलैक्ट्रॉनिक निधि अंतरण या भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा यथानिर्दिष्ट अन्य तरीके द्वारा किया जा सकता है।

## 2.5 प्रतिभूति का रूप

निवेशकों को सरकारी प्रतिभूतियों का निर्गम भारतीय रिजर्व बैंक में उनके सहायक सामान्य बही खाते में या उनके द्वारा यथानिर्दिष्ट संस्था के घटक के सहायक सामान्य बही खाते में जमा करके अथवा भारतीय रिजर्व बैंक के पास रखे बांड बही खाते में जमा करके या भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा सरकारी प्रतिभूति अधिनियम, 2006 के अनुसार इस संबंध में प्राधिकृत किसी अन्य संस्था, अथवा सरकारी प्रतिभूति अधिनियम, 2006 के उपबंधों के तहत यथानिर्धारित ऐसे किसी अन्य प्रपत्र में द्वारा किया जाएगा। जहां आवश्यक होगा स्टॉक, प्रमाणपत्र के प्रपत्र को अलग से अधिसूचित किया जाएगा।

## 2.6 ब्याज का भुगतान

- (i) सरकारी प्रतिभूतियों पर ब्याज का भुगतान भारतीय रिजर्व बैंक के अहमदाबाद, बंगलौर, भुवनेश्वर, कोलकाता, चेन्नई, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मुंबई, नागपुर, नई दिल्ली, पटना और तिरुवनन्तपुरम स्थित लोक ऋण कार्यालयों, या इस प्रयोजन हेतु समय-समय पर अधिसूचित भारतीय रिजर्व बैंक के किसी अन्य कार्यालय, या भारतीय स्टेट बैंक और अन्य संबद्ध बैंकों को सरकारी कारोबार करने वाली शाखाओं और जम्मू एवं कश्मीर तथा सिक्किम को छोड़कर उन सभी राज्यों में जहां भारतीय रिजर्व बैंक का कोई कार्यालय नहीं है अथवा भारतीय स्टेट बैंक की कोई शाखा अथवा संबद्ध बैंक नहीं है, या लोक ऋण कार्यालय का कार्य करने वाले किसी भी राजकोष अथवा उप-राजकोष में किया जाएगा। प्रतिभूतियों पर ब्याज का भुगतान भारतीय रिजर्व बैंक के किसी भी कार्यालय/भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा इस बारे में अपनी तरफ से निर्दिष्ट किसी अन्य अभिकरण के कार्यालय के पास रखे बांड बही खाते में ऐसे कार्यालय/अभिकरण में किया जाएगा।
- (ii) ब्याज का भुगतान रुपए के निकटतम पूर्णांक में किया जाएगा। इस प्रयोजन, पचास पैसे से कम ब्याज की राशि को नज़र-अन्दाज़ कर दिया जाएगा और पचास पैसे अथवा अधिक को अगले रुपए में पूर्णांकित किया जाएगा।

## 2.7 सरकारी प्रतिभूतियों की वापसी-अदायगी

- (i) सरकारी प्रतिभूतियों की वापसी-अदायगी भारतीय रिजर्व बैंक के उस लोक ऋण कार्यालय या किसी अन्य संस्था को की जाएगी, जहां पर ये वापसी-अदायगी के लिए पंजीकृत हैं।
- (ii) सरकारी प्रतिभूति को, प्रतिभूति धारक के विकल्प पर, जहां एक सरकारी प्रतिभूति के निर्गम से संबंधित विशेष अधिसूचना में एक 'कॉल आप्रन' विनिर्दिष्ट किया गया हो, विनिर्दिष्ट मोचन तिथि से पूर्व वापसी-अदायगी की जा सकती है।
- (iii) सरकारी प्रतिभूति की, प्रतिभूति धारक के विकल्प पर, जहां एक सरकारी प्रतिभूति के निर्गम से संबंधित विशेष अधिसूचना में एक 'पुट' आप्रन विनिर्दिष्ट किया गया हो, विनिर्दिष्ट मोचन तिथि से पूर्व वापसी-अदायगी की जा सकती है।

- (iv) सरकारी प्रतिभूति की वापसी अदायगी, उस स्थिति जहां न तो 'कॉल ऑप्शन' और न ही एक 'पुट ऑप्शन' विनिर्दिष्ट/प्रयोग किया जाता है, विशेष अधिसूचना में विनिर्दिष्ट मोचन तिथि पर की जाएगी।

## 2.8 सरकारी प्रतिभूतियों की हस्तांतरणीयता

- (i) लोक सरकारी प्रतिभूति अधिनियम, 2006 तथा उसके अधीन बने सरकारी प्रतिभूति विनियम, 2007 और इस अधिसूचना की शर्तों तथा इस संबंध में समय-समय पर भारत सरकार द्वारा जारी अन्य अधिसूचना के अनुसार सरकारी प्रतिभूतियों को नवीकृत, उप-विभाजित, समेकित, रूपांतरित अथवा अंतरित किया जा सकता है।
- (ii) किसी प्रतिभूति के संबंध में जारी की गई प्रतिभूति का एक रूप से दूसरे रूप में रूपांतरण उन रूपों से संबंधित प्रतिबंधों के अधीन होगा जिसमें सरकारी प्रतिभूतियां जारी की जाएगी।
- (iii) अनिवासी भारतीयों, विदेशी संस्थागत निवेशकों तथा विदेशी केन्द्रीय बैंकों द्वारा सरकारी प्रतिभूतियों का अंतरण विदेशी मुद्रा प्रबंध अधिनियम 1999 के अंतर्गत बने विनियमों तथा भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अधीन किया जाएगा।

## 2.9 सरकारी प्रतिभूतियों के संबंध में प्रयोज्य कानून

- (i) सरकारी प्रतिभूतियों को अभिदान करने वाले अथवा धारण करने वाले सभी व्यक्तियों के अधिकारों का निर्धारण ऐसे सभी विषयों के साथ किया जाएगा जो सरकारी प्रतिभूति अधिनियम, 2006 और उसके अधीन बने सरकारी प्रतिभूति विनियम, 2007 तथा इस अधिसूचना के साथ पठित एवं समय-समय पर जारी अन्य कोई ऐसी अधिसूचना या इस संबंध में भारत सरकार के परामर्श से भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मविष्य में जारी की जाने वाली प्रेस विज्ञप्तियों की शर्तों द्वारा निपटाए जाते हैं।
- (ii) भारत में इस समय लागू कर कानूनों के उपबंध सरकारी प्रतिभूतियों के निवेशक अथवा धारक की देनदारी के मूल्यांकन और निर्धारण करने के प्रयोजनों हेतु प्रयोज्य होंगे।
- (iii) सरकारी प्रतिभूतियों के संबंध में किसी विवाद का निर्णय भारत में न्यायालयों द्वारा किया जाएगा।

## 3. भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा भागीदारी

भारतीय रिजर्व बैंक राजकोषीय उत्तरदायित्व एवम् बजट प्रबन्धन अधिनियम, 2003 तथा उसके तहत बनाए गए विनियमों की शर्तों के अधीन यदि वह ऐसा करना उचित समझे, तो बोली में अप्रतिस्पर्धी के रूप में भाग ले सकता है या अन्य मुद्दों में सरकारी प्रतिभूतियों को अभिदान भी कर सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक को प्रतिभूतियों के आवंटन का आधार कटौती मूल्य / नीलामी में नई आय अथवा भारत सरकार द्वारा तय किया गया कोई अन्य मूल्य/आय होगा।

#### 4. सरकारी प्रतिभूतियों के निर्गम के तरीके

भारत सरकार समय-समय पर सरकारी प्रतिभूतियों का निम्नलिखित तरीकों से निर्गम कर सकती है :-

- (i) नीलामी के माध्यम से प्रतिभूतियों का निर्गम
- (ii) पूर्वघोषित कूपन दरों के साथ प्रतिभूतियों का निर्गम
- (iii) टैप बिक्री के माध्यम से प्रतिभूतियों का निर्गम
- (iv) राजकोषीय हुंडियों/दिनांकित प्रतिभूतियों के स्मांतरण द्वारा प्रतिभूतियों का निर्गम
- (v) किसी अन्य तरीके के माध्यम से प्रतिभूतियों का निर्गम, जैसा भी अधिसूचित किया जाए।

#### 5. सरकारी प्रतिभूतियों के निर्गम के भिन्न-भिन्न तरीकों की विशेषताएं

##### 5.1 नीलामी के माध्यम से प्रतिभूतियों का निर्गम

- (i) प्रतिभूतियों का निर्गम नीलामी के माध्यम से या तो कीमत आधार पर अथवा आय आधार पर किया जाएगा। जहां निर्गम कीमत आधार पर होता है, कूपन का पूर्वनिर्धारण किया जाएगा और बोलीदाताओं को प्रतिभूति के प्रति 100.00 रुपए अंकित मूल्य पर कीमत उद्धृत करनी होगी जिस पर वे क्रय करना चाहते हैं। जहां निर्गम आय के आधार पर होता है प्रतिभूति के कूपन का निर्धारण भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा की जाने वाली नीलामी में उस पद्धति से किया जाता है जिसका प्रावधान इसके पश्चात तथा पुनः समय-समय पर जारी की गई विशिष्ट अधिसूचना द्वारा किया जाता है। परिपक्वता तक प्रतिभूति का कूपन वही रहता है।
- (ii) दशमलव के दो अंकों तक व्यक्त तथा पूर्णांकित वार्षिक लाभ प्रतिशत का आवेदनपत्र में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया जाना चाहिए।
- (iii) आवेदक प्रत्येक बोली के लिए अलग-अलग आवेदनपत्रों के माध्यम से लाभ की भिन्न-भिन्न दरों पर एक से अधिक बोली लगा सकता है। किसी व्यक्ति द्वारा लगाई गई बोलियों की कुल राशि क्रय हेतु प्रस्तावित सरकारी प्रतिभूतियों की कुल राशि से अधिक नहीं होनी चाहिए।
- (iv) प्राप्त की गई बोलियों के आधार पर भारतीय रिजर्व बैंक लाभ की अधिकतम दर अथवा न्यूनतम पेशकशी कीमत निर्धारित करेगा जिसपर नीलामी में सरकारी प्रतिभूतियों के क्रय के लिए प्रस्ताव स्वीकार किए जाएंगे। कीमत आधारित नीलामियों के मामले को छोड़कर नीलामी में निर्धारित आय की अधिकतम दर नीलामी में बेची गई प्रतिभूतियों के संबंध में प्रतिवर्ष कूपन दर प्रतिशत होगी।
- (v) प्रतिभूतियों के निर्गम की नीलामियों (लाभ आधार अथवा कीमत आधार पर) भारत सरकार के परामर्श से भारत सरकार या भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निश्चित किए गए (समस्त मूल्य) तरीके या (अनेक मूल्य) तरीके या किसी अन्य तरीके द्वारा आयोजित की जाएंगी।

जहां नीलामी को 'समरूप मूल्य' तरीके द्वारा आयोजित किया जाता है, वहां भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा यथानिर्धारित अद्यतन दरों पर आमंत्रित प्रतियोगी बोलियों तथा लाभ की अधिकतम दर समाहित या अद्यतन मूल्यों तथा न्यूनतम आमंत्रण मूल्य समाहित को लाभ की अधिकतम दर या इस प्रकार निर्धारित न्यूनतम आमंत्रण मूल्य पर स्वीकार किया जाएगा। भारतीय रिजर्व बैंक लाभ की अधिकतम दर से अधिक तथा बैंक द्वारा यथानिर्धारित न्यूनतम मूल्य से कम लगाई गई बोलियों को अस्वीकृत किया जाएगा।

जहां नीलामी 'अनेक मूल्य' तरीके द्वारा आयोजित की जाती हो, वहां भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा यथानिर्धारित लाभ की अधिकतम दर या न्यूनतम आमंत्रण मूल्य पर आमंत्रित बोलियां स्वीकृत होंगी। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित लाभ की अधिकतम दर से कम दर अथवा न्यूनतम आमंत्रण मूल्य से अधिक पर निविदा की गई अन्य बोलियों को लाभ की दर अथवा संबंधित बोली में उद्धृत दरों पर स्वीकार किया जाएगा। लाभ आधारित नीलामियों में, उन सफल बोलीदाताओं, जिनकी दरों लाभ की अधिकतम दर से अपेक्षाकृत कम होती हैं, को प्रीमियम के रूप में कीमत-अंतर का भुगतान करना आवश्यक होगा। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित लाभ की अधिकतम दर से ऊंची दरों पर उद्धृत बोलियों को रद्द कर दिया जाएगा।

जहां नीलामी किसी अन्य विधि द्वारा आयोजित होती है, बोलियों की स्वीकृति की विधि का निर्णय भारत सरकार द्वारा किया जाएगा।

- (vi) भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा यथानिर्दिष्ट व्यक्ति और संस्थाएं (जिन्हें खुदरा निवेशक कहा गया है) अप्रत्यक्ष रूप से, किसी अनुसूचित बैंक अथवा ऐसी सेवाओं की पेशकश करने वाले डीलर अथवा इस प्रयोजन के लिए भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अनुमत किसी अन्य एजेंसी के माध्यम से, 'अप्रतिस्पर्धी आधार' पर नीलामियों में भागीदारी कर सकते हैं। अप्रतिस्पर्धी आधार पर भागीदारी करने के लिए पात्रता मानदंड और वह विधि जिसके अनुसार ऐसी बोलियों को प्रस्तुत किया जाएगा, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा घोषित की जाएगी। अप्रतिस्पर्धी बोलीदाताओं को प्रतिभूतियों का आवंटन भारतीय रिजर्व बैंक के विवेकाधिकार के आधार पर किया जाएगा और उस मूल्य पर किया जाएगा जो नीलामी में स्वीकार की गई प्रतिस्पर्धी बोलियों के आधार पर प्राप्त हुए भारित औसत मूल्य अथवा विशिष्ट अधिसूचना में घोषित किसी अन्य मूल्य से अधिक न हो। अप्रतिस्पर्धी आधार पर खुदरा निवेशकों को आवंटित किए जाने वाली प्रतिभूतियों की नामिनल राशि, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा यथानिर्दिष्ट नामिनल राशि के अंदर अथवा बाहर, निर्गम की कुल नामिनल राशि के अधिकतम प्रतिशत अथवा भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित किसी अन्य प्रतिशत तक सीमित होगी।
- (vii) भारतीय रिजर्व बैंक अतिरिक्त अभिदानों को उस सीमा तक स्वीकार करने का विवेकाधिकार रखता है, जो प्रतिभूति से संबंधित 'विशिष्ट अधिसूचना' में विनिर्दिष्ट हो सकती है और वह तदनुसार प्रतिभूति का आवंटन करेगा।
- (viii) भारतीय रिजर्व बैंक को पूरा विवेकाधिकार होगा कि वह उचित समझे तो, बिना कोई कारण बताए, किसी या सभी बोलियों को पूर्णतः अथवा अंशतः स्वीकृत अथवा रद्द कर सकता है।

## 5.2 पूर्व-घोषित कूपन दरों पर प्रतिभूतियों का निर्गम

- (i) ऐसी प्रतिभूतियों पर कूपन निर्गम की तारीख से पहले घोषित किया जाएगा और प्रतिभूति सममूल्य पर जारी की जाएगी।
- (ii) यदि कुल अभिदान किसी निर्धारित कूपन प्रतिभूतियों के संबंध में बिक्री के लिए प्रस्तावित कुल राशि से बढ़ जाता है तो भारतीय रिजर्व बैंक सभी आवेदकों को आंशिक आवंटन कर सकता है।
- (iii) भारतीय रिजर्व बैंक को प्रतिभूति के निर्गम से संबंधित 'विशेष अधिसूचना' में विनिर्दिष्ट किए जा सकने वाली सीमा तक अधिक अभिदान स्वीकार करने और तदनुसार प्रतिभूति का आवंटन करने का विवेकाधिकार होगा।
- (iv) भारतीय रिजर्व बैंक को यह विवेकाधिकार होगा कि वह कोई कारण बताए बिना ही किसी या सभी आवेदनों को पूर्णतः या अंशतः स्वीकृत या रद्द कर सकता है।
- (v) इस पैराग्राफ के खंड (ii) की शर्तों के तहत अतिरिक्त अभिदान की राशि या इस पैराग्राफ के खंड (iv) की शर्तों के तहत आवेदन को रद्द किए जाने के मामले में अभिदान की राशि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा संबंधित अभिदाताओं को यथासंभव शीघ्र ही लौटा दी जाएगी और इस प्रकार वापस की गई राशि पर कोई ब्याज अदा नहीं किया जाएगा।

## 5.3 टैप बिक्री के माध्यम से प्रतिभूतियों का निर्गम

टैप पर बेची गई प्रतिभूतियों के संबंध में अधिसूचना में कुल राशि नहीं दर्शायी जाती है। ऐसी प्रतिभूतियों की बिक्री को एक से ज्यादा दिन तक बढ़ाया जा सकता है और इस बिक्री को किसी भी दिन बैंकिंग कार्य-समय के दौरान किसी भी समय बंद किया जा सकता है।

## 5.4 परिपक्व होने वाली राजकोषीय हुंडियों/दिनांकित प्रतिभूतियों के स्थांतरण में सरकारी प्रतिभूतियों का निर्गम

कुछ निर्दिष्ट परिपक्वता वाली राजकोषीय हुंडियों के धारकों और निर्दिष्ट दिनांकित प्रतिभूतियों के धारकों को यह विकल्प दिया जाता है कि अपनी राजकोषीय हुंडियों/दिनांकित प्रतिभूतियों को निर्दिष्ट मूल्यों पर बिक्री के लिए प्रस्तावित नई प्रतिभूतियों में स्थांतरित कर लें। नई प्रतिभूतियों को नीलामी/पूर्व-घोषित कूपन आधार पर निर्गमित किया जा सकता है।

## 6. विभिन्न प्रकार की सरकारी प्रतिभूतियां

भारत सरकार समय-समय पर निम्नलिखित प्रकार की सरकारी प्रतिभूतियां जारी कर सकती है :-

- (i) नियत कूपन दरों वाली प्रतिभूतियां।
- (ii) घटने-बढ़ने वाली कूपन दरों वाली प्रतिभूतियां अर्थात् मुक्त दर बांड।
- (iii) जीरो कूपन बांड।
- (iv) वे प्रतिभूतियां जिनके लिए अभिदान विनिर्दिष्ट किस्तों में प्राप्त होता है।
- (v) वे प्रतिभूतियां जिनके लिए वापसी-अदायगी विनिर्दिष्ट किस्तों में की जाती है।
- (vi) अंतःस्थापित व्युत्पाद वाली प्रतिभूतियां (उदाहरणार्थ कॉल और पुट ऑप्शन)।
- (vii) किसी विशिष्ट अधिसूचना में यथा अधिसूचित किसी अन्य विशेषता वाली प्रतिभूतियां।

## 7. विभिन्न प्रकार की सरकारी प्रतिभूतियों की विशेषताएं

### 7.1 नियत कूपन दरों वाली प्रतिभूतियां

- (i) प्रतिभूति की अवधि के दौरान नियत की गई शेष प्रतिभूतियों पर विशिष्ट कूपन दर लागू रहेगी और उसका भुगतान आवधिक रूप से किया जाएगा।
- (ii) प्रतिभूति का निर्गम बट्टे पर, सममूल्य पर अथवा अंकित मूल्य के प्रीमियम पर किया जाएगा।
- (iii) प्रतिभूति का शोधन सममूल्य पर किया जाएगा।

### 7.2 घटने-बढ़ने वाली कूपन दरों वाली प्रतिभूतियां अर्थात् मुक्त दर बांड आदि

- (i) प्रतिभूति पर वह कूपन दर लागू रहेगी जो संबंधित आधार/बुनियादी दर में परिवर्तन होने के अनुसार अलग-अलग होगी। आधार दर का वर्णन और वह तरीका जिससे कूपन दर आधार दर से संबंधित है, विशिष्ट अधिसूचना में घोषित किया जाएगा।
- (ii) कूपन दर निम्नतम निर्धारित दर अथवा उच्चतम दर, यदि कोई हो, विशिष्ट अधिसूचना में यथानिर्दिष्ट जैसा भी मामला हो, के अधीन हो सकती है।
- (iii) घटने-बढ़ने वाली कूपन दर वाली प्रतिभूतियों/बांडों के संबंध में निर्गम की विधि विशिष्ट अधिसूचना में घोषित विधि के अनुसार होगी।

### 7.3 जीरो कूपन बांड

- (i) शून्य कूपन बांड बट्टे पर जारी किए जाते हैं और इनका मोचन सममूल्य पर किया जाता है। ऐसे बांडों पर परिपक्वता से पूर्व आवधिक अंतरालों पर किसी ब्याज का भुगतान नहीं किया जाता।
- (ii) नीलामी द्वारा जारी किए गए शून्य कूपन बांडों के संबंध में मूल्य, जिस पर शून्य कूपन के बांड प्रति 100 रुपये (सांकेतिक) खरीद करने का प्रस्ताव है, जिसे दो दशमलव स्थानों तक व्यक्त किया गया है, का आवेदन में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया जाना चाहिए। आवेदन, जिसमें आवश्यक ब्यौरे जैसे बांड का नामित मूल्य प्रति 100 रुपये मूल्य, जिस पर बांड की खरीद किए जाने का प्रस्ताव है अथवा जिनमें अपूर्ण ब्यौरे दिए गए हैं आवेदक को किसी उल्लेख के बिना, रह कर दिए जाएंगे।



- (iii) आवेदक प्रत्येक बोली के लिए अलग-अलग आवेदनों के जरिए विभिन्न मूल्यों पर एक से अधिक बोली प्रस्तुत कर सकता है। किसी व्यक्ति द्वारा प्रस्तुत की गई बोलियों की राशि बिक्री के लिए प्रस्तावित बांडों की कुल राशि से अधिक नहीं होनी चाहिए।
- (iv) टेंडरों के माध्यम से प्राप्त बोलियों के आधार पर भारतीय रिजर्व बैंक वह 'कट-ऑफ' कीमत निर्धारित करेगा जिस पर शून्य कूपन बांडों की खरीद के लिए नीलामी में टेंडरों को स्वीकृत किया जाएगा।
- (v) सभी ऐसी बोलियों, जिन्हें 'कट-ऑफ' कीमत के बराबर पाया जाता है, को स्वीकृत किया जाएगा और सभी दूसरी बोलियों जो उक्त 'कट-ऑफ' कीमत की तुलना में न्यून पाई जाएं, तो अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

7.4 प्रतिभूतियां, जिनके लिए या तो अभिदान प्राप्त होता है अथवा वापसी-अदायगी किस्तों में की जाती हैं

प्रतिभूतियां या तो नीलामी द्वारा अथवा कूपन दर की पूर्व-घोषणा करके जारी की जाती हैं। प्रतिभूतियों की विशेष विशेषता यह है कि प्रतिभूतियों का भुगतान या तो विनिर्दिष्ट किस्तों में प्राप्त होता है अथवा प्रतिभूतियों की वापसी-अदायगी विनिर्दिष्ट किस्तों में की जाती है जैसा कि प्रतिभूति के निर्गम से संबंधित विशिष्ट अधिसूचना में अधिसूचित है।

7.5 अंतःस्थापित व्युत्पाद वाली प्रतिभूतियां (उदाहरणार्थ कॉल तथा पुट ऑप्शन)

सरकारी प्रतिभूतियां अंतःस्थापित व्युत्पत्तिक विशेषताओं के साथ, उदाहरणार्थ कॉल तथा पुट ऑप्शंस निर्गमित की जाएं। सरकारी प्रतिभूति की वापसी अदायगी, विनिर्दिष्ट मोचन तिथि से पूर्व भारत सरकार के विकल्प पर उस सूरत में की जाए जहां सरकारी प्रतिभूति के निर्गम से संबंधित विशिष्ट अधिसूचना में एक 'कॉल ऑप्शन' विनिर्दिष्ट किया गया है, तथा सरकारी प्रतिभूति की विनिर्दिष्ट मोचन तिथि से पूर्व, प्रतिभूति के धारक के विकल्प पर, उस सूरत में वापसी अदायगी की जाए जहां सरकारी प्रतिभूति के निर्गम से संबंधित विशिष्ट अधिसूचना में एक 'पुट ऑप्शन' विनिर्दिष्ट किया गया है।

8. विशिष्ट अधिसूचना में घोषित की जाने वाली अन्य निबंधन एवं शर्तें

सरकारी प्रतिभूति के प्रत्येक निर्गम की अन्य विशिष्ट निबंधन एवं शर्तें समय-समय पर विशिष्ट अधिसूचनाओं में अलग से अधिसूचित की जाएंगी।

भारत के राष्ट्रपति के आदेश से,

एल. एम. वास, अपर सचिव

3871 GI/68-3

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(BUDGET DIVISION)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 8th October, 2008

## Issue of Government Securities

**F. No. 4(13)-W & M/2008.**—Government of India, in supersession of Notification F. No. 4(2)-W&M/97 dated 1st April, 1997 issued by Government of India, as amended by the Government of India Notification F. No. 4(7)-W&M/99 dated 5th April, 1999, and Notification No. F. No. 4(9)-W&M/2000 dated May 6, 2002; hereby notifies that issue of Government Securities (hereinafter referred to as Securities) hereafter will be subject to terms and conditions spelt out in this Notification (called the 'General Notification') as also terms and conditions notified separately in the Specific Notification issued in respect of each security issue until further notice.

The objective of the General Notification is to list out the general terms and conditions applicable to issues of Government Securities and the features and methods of issue of different types of Government Securities. The Specific Notification issued from time to time in respect of each security issue will supplement the General Notification and cover specific features pertaining to the particular security issue.

Explanation

For the purpose of this paragraph Specific Notification means the notification issued by Government of India announcing issue of any particular Government Security.

**2. General Terms and conditions applicable to Government Securities**

The general terms and conditions applicable to all issues of Government Securities will be as under:

**2.1 Eligibility for Investment**

Investment in the Government Securities may be made by any person resident in India including firms, companies, corporate bodies, institutions, State Governments, Provident Funds and Trusts. Non-Resident Indians (NRIs, viz., Indian citizens and Persons of Indian origin), Foreign Institutional Investors (FIIs) registered with the Securities and Exchange Board of India (SEBI) and approved by Reserve Bank of India and any other person not resident in India, as specified by the Reserve Bank of India with the approval of the Government of India in this regard, are also eligible to invest in the Government Securities. Foreign Central Banks (FCBs) are eligible to invest in the Government securities subject to the terms and conditions stipulated by the Reserve Bank of India in the Scheme for Rupee Investments by Foreign Central Banks. However, investment by a person resident outside India or a Company which is incorporated outside India or any branch of such Company shall be subject to the provisions of the Foreign Exchange Management Act, 1999 and the Regulations framed thereunder in addition to the other provisions of laws applicable to Government Securities as per the terms as stipulated hereinafter.

## **2.2 Minimum Subscription**

Government Securities will be issued for a minimum amount of Rs.10,000/- (Face Value) and in multiples of Rs.10,000/- thereafter.

## **2.3 Procedure for Application**

Offers for purchase of Government Securities shall be submitted by interested persons in the form of application (including electronic form) as specified by Reserve Bank of India from time to time. FIIs and NRIs, however, should submit their applications through the designated Authorised Dealer bank branches. Applications duly filled in should be submitted to the office of Reserve Bank of India or any other institution notified for the purpose, before the close of banking hours on the specified date/s. Interested persons submitting applications for purchase of Government Securities shall be bound also by the terms and conditions as indicated in the specified form of application.

## **2.4 Payment for Government Securities**

Payment for the Government Securities shall be made by the applicants/investors on such dates as mentioned in the Specific Notification, by means of cash or cheque drawn on Reserve Bank of India, Mumbai or any specified office of Reserve Bank of India or Banker's pay order or by authority to debit their current account with Reserve Bank of India or by Electronic Fund Transfer in a secured environment or by any other means as specified by Reserve Bank of India.

## **2.5 Form of Security**

The Government Securities shall be issued to the investors by credit to their Subsidiary General Ledger Account or to a Constituents' Subsidiary General Ledger Account of the institution as specified by them, maintained with Reserve Bank of India or by credit to their Bond Ledger Account maintained with Reserve Bank of India or with any institution authorized by the Reserve Bank of India in this behalf as per the Government Securities Act, 2006, or in the form of Stock Certificate or in such other form as may be prescribed under the provisions of the Government Securities Act, 2006. The Form of Stock Certificate will be notified separately, where necessary.

## **2.6 Payment of Interest**

(i) Interest on Government Securities will be paid at the Public Debt Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Kolkata, Chennai, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Mumbai, Nagpur, New Delhi, Patna and Thiruvananthapuram, or any other Office of Reserve Bank of India notified for this purpose from time to time, or at branches of State Bank of India and Associate banks conducting Government business or at any Treasury or Sub-Treasury served by the Public Debt Office where there is no Office of Reserve Bank of India or branch of State Bank of India or its associates except the States of Jammu & Kashmir and Sikkim. Interest on securities held in Bond Ledger Account with any of the Offices of Reserve Bank of India/ Agency as specified by Reserve Bank of India in this behalf, will be paid at such Office/Agency.

(ii) Interest will be paid after rounding off the amount to the nearest whole rupee. For this purpose, amount of interest less than fifty paise will be ignored and fifty paise or more will be rounded off to the next rupee.

### 2.7 Repayment of Government Securities

- i) The Government Securities will be repaid at Public Debt Offices of the Reserve Bank of India or any other institution at which they are registered at the time of repayment.
- ii) The Government Security may be repaid at the option of Government of India, before the specified redemption date, where a call option is specified in the Specific Notification relating to the issue of a Government Security.
- iii) The Government Security may be repaid, at the option of the holder of the Security, before the specified redemption date, where a 'put option' is specified in the Specific Notification relating to the issue of a Government Security.
- iv) The Government Security will be repaid on the date of redemption specified in the Specific Notification, where neither a 'Call Option' nor a 'Put Option' is specified / exercised.

### 2.8 Transferability of Government Securities

- (i) Government Securities can be renewed, sub-divided, consolidated, converted and transferred in accordance with the provisions of the Government Securities Act, 2006 and the Government Securities Regulations, 2007 framed thereunder and the terms of this notification and any further notification which may be issued by the Government of India from time to time in this behalf.
- (ii) The conversion of the security issued pertaining to the security from one form to the other will be subject to the restriction with respect to the forms in which the Government Securities shall be issued.
- (iii) The transfers of Government Securities by NRIs, FIIs and FCBs will be subject to Regulations framed under Foreign Exchange Management Act, 1999 and guidelines issued by the Reserve Bank of India. Transfer of securities by FIIs, in addition, will also be subject to applicable SEBI (FII) Regulations.

### 2.9 Laws applicable in regard to the Government Securities

- (i) The rights of all persons subscribing to or holding the Government Securities shall be determined with all such questions as are dealt with by the Government Securities Act, 2006 and the Government Securities Regulations, 2007 framed thereunder read with the terms of this Notification and such other Notification as may be issued from time to time or by the terms of Press Releases as may be issued in future by Reserve Bank of India, in consultation with Government of India in this regard.
- (ii) The provisions of the tax laws for the time being in force in India will be applicable for the purposes of assessing and determining the liability of the investor or holder of the Government Securities.
- (iii) Any dispute in relation to the Government Securities shall be decided by the Courts in India.

### 3. Participation by Reserve Bank of India

The Reserve Bank of India may also, if it considers appropriate to do so, participate in the auction as a non-competitor or subscribe to the Government Securities in other issues, subject to the provisions of the Fiscal Responsibility and Budget Management Act, 2003 and the Rules framed thereunder. Allotment of Securities to Reserve Bank of India will be at the cut off price/yield emerging in the auction or at any other price/yield decided by the Government of India.

### 4. Modes of issue of Government Securities

Government of India may issue from time to time Government Securities through the following modes:

- i. Issue of Securities through auction.
- ii. Issue of Securities with pre-announced coupon rates.
- iii. Issue of Securities through tap sale.
- iv. Issue of Securities by conversion of treasury bills/dated securities.
- v. Issue of Securities through any other mode, as may be notified.

### 5. Features of different modes of issue of Government Securities

#### 5.1 Issue of Securities through auction

(i) The Securities will be issued through auction either on price basis or on yield basis. Where the issue is on price basis, the coupon will be pre-determined and the bidders have to quote the price per Rs.100.00 face value of the security, at which they desire to purchase the security. Where the issue is on yield basis, the coupon of the security is decided in an auction conducted by Reserve Bank of India in the manner hereinafter as provided and further provided by the Specific Notifications issued from time to time. The security carries the same coupon till maturity.

(ii) The yield per cent per annum or the price, as the case may be, expressed up to and rounded off to two decimal places, should be clearly stated in the application.

(iii) An applicant may submit more than one bid at different rates of yield or prices, as the case may be, through separate applications for each bid. The aggregate amount of bids submitted by a person should not exceed the aggregate amount of Government Securities offered for sale.

(iv) On the basis of the bids received, the Reserve Bank of India will determine the maximum rate of yield or the minimum offer price as the case may be at which offers for purchase of Government Securities will be accepted at the auction. Except in the case of price-based auctions, the maximum rate of yield determined at the auction will be the coupon rate percent per annum on the Securities sold at the auction.

(v) The auctions for issue of securities (on either yield basis or price basis) will be held either on 'Uniform price' method or on 'Multiple price' method or any other method decided by the Government of India or the Reserve Bank of India in consultation with the Government of India.

Where an auction is held on 'Uniform price' method, competitive bids offered with rates up to and including the maximum rate of yield or the prices up to and including the minimum offer price, as determined by the Reserve Bank of India, will be accepted at the maximum rate of

yield or minimum offer price so determined. Bids quoted higher than the maximum rate of yield or lower than the minimum price as determined by the Reserve Bank of India will be rejected.

Where an auction is held on 'Multiple price' method, competitive bids offered at the maximum rate of yield or the minimum offer price as determined by the Reserve Bank of India will be accepted. Other bids tendered at lower than the maximum rate of yield or higher than the minimum offer price determined by the Reserve Bank of India will be accepted at the rate of yield or price as quoted in the respective bid. In yield-based auctions, successful bidders, whose quotes are lower than the maximum rate of yield, are required to pay the price differential in the form of a premium. Bids quoted higher than the maximum rate of yield or lower than the minimum price as determined by the Reserve Bank of India will be rejected.

Where the auction is held on any other method, the method of acceptance of the bids will be decided by the Government of India.

(vi) Individuals and institutions as may be specified by the Reserve Bank of India (called 'Retail investors') can participate in the auctions on 'non-competitive' basis, indirectly through a Scheduled bank or a Primary dealer offering such services or any other agency permitted by Reserve Bank of India for this purpose. Eligibility criteria for participation on non-competitive basis and the manner in which such bids should be submitted will be announced by Reserve Bank of India. Allocation of the Securities to non-competitive bidders will be at the discretion of the Reserve Bank of India and will be at a price not higher than the weighted average price arrived at on the basis of the competitive bids accepted at the auction or any other price announced in the Specific Notification. The nominal amount of Securities that will be allocated to Retail investors on non-competitive basis will be restricted to a maximum percentage of the aggregate nominal amount of the issue, within or outside the nominal amount, as specified by the Government of India or any other percentage determined by Reserve Bank of India.

(vii) The Reserve Bank of India will have the discretion to accept excess subscriptions to the extent as may be specified in the 'Specific Notification' pertaining to the issue of the Security and make allotment of the security accordingly.

(viii) The Reserve Bank of India will have full discretion to accept or reject any or all bids either wholly or partially, without assigning any reason.

## **5.2 Issue of Securities with pre-announced coupon rates**

(i) The coupon on such Securities will be announced before the date of floatation and the Securities will be issued at par.

(ii) In case the total subscription exceeds the aggregate amount offered for sale in respect of a fixed coupon Security, the Reserve Bank of India may make partial allotment to all the applicants.

(iii) The Reserve Bank of India will have the discretion to accept excess subscriptions to the extent as may be specified in the 'Specific Notification' pertaining to the issue of the Security and make allotment of the security accordingly.

(iv) The Reserve Bank of India will have the discretion to accept or reject any or all applications either wholly or partially, without assigning any reason.

(v) The amount of excess subscription in terms of clause (ii) of this paragraph or amount of subscription in case of rejection of application in terms of clause (iv) of this paragraph, will be refunded by the Reserve Bank of India to the respective subscribers as soon as possible and no interest will be paid on the amount so refunded.

### **5.3 Issue of Securities through tap sale**

No aggregate amount is indicated in the notification in respect of the Securities sold on tap. Sale of such Securities may be extended to more than one day and the sale may be closed at any time during the banking hours on any day.

### **5.4 Issue of Government Securities in conversion of maturing Treasury Bills/dated securities**

The holders of Treasury Bills of certain specified maturities and holders of specified dated securities are provided an option to convert the respective Treasury Bills/dated security at specified prices into new Securities offered for sale. The new Securities could be issued on an auction/pre-announced coupon basis.

## **6. Different types of Government Securities.**

Government of India may issue from time to time the following types of Government Securities:

- i. Securities with fixed coupon rates.
- ii. Securities with variable coupon rates, viz., Floating Rate Bonds.
- iii. Zero Coupon Bonds
- iv. Securities for which the subscription is received in specified instalments
- v. Securities for which repayment is made in specified instalments.
- vi. Securities with Embedded Derivatives (e.g. Call and Put Options).
- vii. Securities with any other features as notified in the Specific Notification.

## **7. Features of different types of Government Securities**

### **7.1 Securities with fixed coupon rates**

(i) The securities will carry a specific coupon rate remaining fixed during the term of the security and payable periodically.

(ii) Issue of security may be at a discount, at par or at a premium to the face value.

(iii) Redemption of the security will be at par.

### **7.2 Securities with variable coupon rates, viz., Floating Rate Bonds, etc.**

(i) The Security will carry a coupon rate which will vary according to the change in the Base Rate to which it is related. The description of the Base Rate and the manner in which the coupon rate is linked to the Base Rate will be announced in the Specific Notification.

(ii) The coupon rate may be subject to a floor or cap, if any, as the case may be, as prescribed in the Specific Notification.

(iii) The method of issue in respect of securities/bonds with variable coupon rate will be as announced in the Specific Notification.

### 7.3 Zero Coupon Bonds

(i) Zero Coupon Bonds are issued at a discount and redeemed at par. No interest payment is made on such bonds at periodic intervals before maturity.

(ii) In respect of Zero Coupon Bonds issued by auction, the price at which the Zero Coupon Bonds are proposed to be purchased per Rs.100/- (Nominal), expressed up to two decimal places should be clearly stated in the application. Applications which do not contain details such as the nominal value of the Bonds, the price per Rs.100/- at which Bonds are proposed to be purchased or which contain incomplete details are liable to be rejected, without any reference to the applicant.

(iii) An applicant may submit more than one bid at different prices through separate applications for each bid. The aggregate amount of bids submitted by a person should not exceed the aggregate amount of Bonds offered for sale.

(iv) On the basis of the bids received through tenders, the Reserve Bank of India will determine the cut-off price at which tenders for purchase of Zero Coupon Bonds will be accepted at the auction.

(v) All such bids, which are found to be up to the cut-off price, will be accepted and all other bids, which are found to be lower than the said cut-off price, will be rejected.

### 7.4 Securities for either the subscription is received or the repayment is made in instalments

The Securities are issued either by auction or by pre-announcing a coupon rate. The special feature of the Securities is that either the payment for the securities is received in specified instalments or the repayment of the securities is made in specified instalments as notified in the Specific notification relating to the issue of the security.

### 7.5 Securities with Embedded Derivatives (e.g., Call and Put Options)

Government Securities may be issued with embedded derivative features, for example, Call and Put Options. The Government security may be repaid at the option of Government of India, before the specified redemption date, where a call option is specified in the Specific Notification relating to the issue of a Government Security and the Government Security may be repaid, at the option of the holder of the Security, before the specified redemption date, where a 'put option' is specified in the Specific Notification relating to the issue of a Government Security.

### 8. Other Terms and conditions to be announced in the Specific Notification

The other terms and conditions specific to each issue of Government Securities will be notified separately in the Specific Notifications from time to time.

By Order of the President of India,  
L. M. VAS, Addl. Secy.